www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 229 | जौनपुर गुरुवार, 09 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

त्रिपुरा में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा उपचुनाव में बहुकोणीय मुकाबले की संभावना

अगरतला, (एजेंसी)। उत्तरी त्रिपुरा जिले की धरमनगर विधानसभा सीट पर 9 अप्रैल को होने वाले उपचुनाव में बहुकोणीय मुकाबला की आशंका है। यह जिला असम और मिजोरम से सटा हुआ है। कुल मिलाकर छह उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें प्रमुख राजनीतिक दलों, छोटे दलों और एक निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं। राजनीतिप्रमुख दावेदारों में सत्तारूढ़ भाजपा के जहर चक्रबोर्ती, कांग्रेस के चयन भट्टाचार्य और सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे के अमिताभ दत्ता शामिल हैं। दत्ता वाम दल के पूर्व विधायक हैं।59 वर्षीय जहर चक्रबोर्ती वर्तमान में भाजपा के उत्तर त्रिपुरा जिला उपाध्यक्ष हैं। इसके अलावा, अमरा बंगाली पार्टी (एसयूसीआई) और एक निर्दलीय उम्मीदवार भी उपचुनाव लड़ रहे हैं। वाम मोर्चा और कांग्रेस, जिन्होंने 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा को संयुक्त रूप से चुनौती देने के लिए सीट बंटवारे का समझौता किया था, इस उपचुनाव में अलग–अलग चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस नेता चयन भट्टाचार्य ने 2023 में धर्मनगर सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा उम्मीदवार विश्व बंधु सेन से 956 वोटों के मामूली अंतर से हार गए थे।त्रिपुरा विधानसभा के मौजूदा विधायक और अध्यक्ष बिस्वा बंधु सेन के निधन के कारण उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया था।

उपचुनाव परिणाम कर्नाटक की राजनीति की दिशा तय करेंगे : बसवराज बोम्मई

मंड्या, (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने विश्वास जताया है कि बागलकोट और दावणगेरे विधानसभा उपचुनावों में भाजपा जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि इन चुनावों के नतीजे राज्य की राजनीति की दिशा तय करने वाले साबित होंगे। चुनावी कवरेज मीडिया से बातचीत में बोम्मई ने कहा कि राज्य सरकार के तीन साल पूरे हो चुके हैं और अब उसका "असल चेहरा सामने आ गया है।" उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में सरकार के खिलाफ व्यापक असंतोष है, जो आने वाले समय में मजबूत एंटी–इंकम्बेंसी लहर में बदल जाएगा।गैस की कमी के मुद्दे पर उन्होंने कांग्रेस पर स्थिति को और बिगाड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने खाद्य मंत्री के.एच. मुनियप्पा के बदलते रुख पर भी सवाल उठाए। वैश्विक हालात का जिक्र करते हुए बोम्मई ने कहा कि कई देशों में संघर्ष के कारण पेट्रोल–डीजल की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, लेकिन भारत में स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने केंद्र सरकार की सराहना करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर अनावश्यक विवाद खड़ा करने का कोई फायदा नहीं है।कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने इराक युद्ध के दौरान की स्थिति को याद किया और कहा कि उस समय पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गई थीं।

युवाओं के स्वरोजगार का सपना हुआ साकार : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की 11वीं वर्षगांठ पर इसके प्रभाव की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल स्वरोजगार को बढ़ावा देने और देश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण रही है। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सही अवसर प्रदान करना व्यक्तिगत और राष्ट्रीय विकास की कुंजी है। उन्होंने लिखा कि ठीक 11 साल पहले, आज ही के दिन शुरू की गई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना युवाओं में स्वरोजगार को बढ़ावा देने में बेहद मददगार साबित हुई है। इस योजना की सफलता दर्शाती है कि सही अवसर मिलने पर व्यक्ति न केवल आत्मनिर्भर बन सकता है, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी योगदान दे सकता है। आत्मज्ञान शुरुआत है, और धैर्य धर्म की दृढ़ता है। मोदी ने आगे कहा कि जो विपत्तियों से विचलित नहीं होता, वही सच्चा बुद्धिमान कहलाता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी ट्विटर पर पोस्ट किया और बताया कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 58 करोड़ से अधिक बिना गारंटी वाले ऋण वितरित किए गए हैं, जिससे देश भर में स्वरोजगार और लघु उद्योगों को मजबूती मिली है। शाह ने कहा कि इस योजना ने वित्त तक पहुंच में सुधार करके छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप और युवाओं को सशक्त बनाया है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में, छोटे व्यापारियों और स्टार्टअप को बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध कराकर, स्वरोजगार और लघु उद्योगों को नई शक्ति प्रदान की गई है। इन 11 वर्षों में, इस कल्याणकारी योजना के तहत 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 58 करोड़ से अधिक ऋण वितरित किए गए हैं, जिससे 12 करोड़ युवाओं को लाभ हुआ है जो आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की यात्रा में नई ऊर्जा का संचार कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस योजना से महिलाओं को सबसे अधिक लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना के तहत मिलने वाले प्रत्येक 3 ऋणों में से 2 महिलाओं को मिलते हैं, जो महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 अप्रैल, 2015 को जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना शुरू की थी।

असम में सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में यूसीसी, अमित शाह बोले– चार शादी अब नहीं चलेगी

असम, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम में भाजपा की दोबारा सरकार बनने का विश्वास जताया और राज्य मंत्रिमंडल की पहली बैठक में राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का संकल्प लिया। असम विधानसभा चुनाव से पहले प्रचार के अंतिम दिन, 7 अप्रैल को चुनावी रैलियों में बोलते हुए शाह ने कहा कि यूसीसी लागू होने के बाद असम में किसी को भी चार बार शादी करने की अनुमति नहीं होगी। कछार में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की और दावा किया कि भाजपा देश से हर घुसपैठिए को बाहर निकाल देगी। उन्होंने कहा कि हम मतदाता सूची से घुसपैठियों के नाम हटा रहे हैं। ममता दीदी और राहुल बाबा का पेट दुख रहा होगा। राहुल बाबा, आप सीएए का विरोध करते थे, आप यहां आए शरणार्थी बंगाली भाइयों और बहनों को मतदान का अधिकार देने का विरोध करते थे, लेकिन अब आप घुसपैठियों का स्वागत क्यों कर रहे हैं? क्योंकि वे उनका वोट बैंक हैं३ ममता बनर्जी चाहे रोएं, राहुल बाबा चाहे सीना पीटें, लेकिन भाजपा इस देश से हर एक घुसपैठिए को बाहर निकाल देगी। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद, हम असम के पहले मंत्रिमंडल में यूसीसी लाएंगे। यूसीसी का मतलब है सबके लिए एक कानून। उसके बाद, पूरे असम में किसी को भी चार शादियां करने की इजाजत नहीं होगी। शाह ने यह भी घोषणा की कि अगर भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) फिर से सत्ता में आता है, तो वह सिलचर में दूसरा सचिवालय स्थापित करेगा।

दिल्ली केंद्र के ऐतिहासिक निर्णय पर कैबिनेट ने दिया धन्यवाद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली कैबिनेट ने मंगलवार को एक प्रस्ताव पास किया, जिसमें राजधानी की 1,511 अनऑथराइज्ड कॉलोनियों को रेगुलराइज करने के केंद्र के "ऐतिहासिक" फैसले के लिए धन्यवाद दिया गया। इस कदम से करीब 45 लाख लोगों को फायदा होने की उम्मीद है। दिल्ली सेक्रेटेरिएट में हुई एक मीटिंग में, कैबिनेट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर का शुक्रिया अदा किया और इस फैसले को एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम बताया, जिससे दशकों से अनिश्चितता में जी रहे लाखों परिवारों को लंबे समय से इंतजार की जा रही कानूनी सुरक्षा और सम्मान मिलेगा।गुप्ता ने कहा कि यह कदम कानूनी पहचान से कहीं आगे है, और लोगों को "आत्म–सम्मान, स्थिरता और विकास का रास्ता" देगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों अब इन कॉलोनियों में प्लान्ड डेवलपमेंट, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर रहने की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। इस प्लान के तहत, दिल्ली की 1,731 अनऑथराइज्ड कॉलोनियों में से 1,511 को "जैसी है, जहां है" के आधार पर रेगुलराइज किया जाएगा, इसके लिए लेआउट प्लान की मंजूरी की जरूरत नहीं होगी। सभी प्लॉट और बिल्डिंग को रेजिडेंशियल माना जाएगा, जिससे रहने वालों के लिए प्रोसेस से जुड़ी मुश्किलें काफी कम हो जाएंगी।एक बड़े एडमिनिस्ट्रेटिव बदलाव में, रेगुलराइजेशन प्रोसेस अब दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी के बजाय दिल्ली सरकार का रेवेन्यू डिपार्टमेंट देखेगा। एक साफ टाइमलाइन तय की गई है, जिसमें ळप्ै सर्वे रिपोर्ट के लिए सात दिन, कमी दूर करने के लिए 15 दिन और कन्वेयंस डीड जारी करने के लिए जरूरी 45 दिन की डेडलाइन शामिल है।

कोई विधर्मी भारत का राजा नहीं हो सकता, सिर्फ एक ही सनातन राजा राम : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वृंदावन के मलूक पीठ में आयोजित श्श्री सीताराम निकुंज अष्टयाम लीला महोत्सवश को संबोधित करते हुए एक बड़ा बयान दिया। संत मलूक दास जी महाराज की 452वीं जयंती के अवसर पर सीएम योगी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत का असली राजा कोई बाहरी या विधर्मी नहीं हो सकताय भारत के एकमात्र राजा सनातन राजा राम हैं। मुख्यमंत्री ने मुगल काल की क्रूरता और उस समय के संतों के संघर्ष को याद करते हुए कहारू उन्होंने बताया कि मुगल सम्राट अकबर ने लोभ–लालच देकर गोस्वामी तुलसीदास को अपने दरबार में बुलाने की कोशिश की थी। लेकिन तुलसीदास जी ने दो–टूक जवाब दिया था कि उनका राजा केवल राम है। सीएम ने कहा कि संत मलूक दास ने अकबर, जहांगीर, शाहजहां और औरंगजेब जैसे चार क्रूर मुगल सम्राटों का दौर देखा, लेकिन उन्होंने कभी अपने मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना से समझौता नहीं किया। योगी ने कहा कि आज भी रामलीला के मंचों से यही नारा सुनाई देता है दृ "बोलो राजा रामचंद्र की जय" और यह नारा मुगल काल में संत तुलसीदास ने ही दिया था। मुख्यमंत्री ने संत मलूक दास को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके समय भारत विदेशी आक्रांताओं की क्रूरता से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि 452 वर्ष पहले प्रयागराज के कड़ाधाम में उन्होंने भक्ति की दिव्य ज्योति प्रकट की, जो राष्ट्रवाद और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक बनी। योगी ने कहा कि संत मलूक दास ने भारत की वैष्णव रामानंदी परंपरा को आगे बढ़ाया और मुगल काल के चार सम्राटों दृ अकबर, जहांगीर, शाहजहां और औरंगजेब दृ के समय की क्रूरता देखी। उन्होंने कहा कि भारत के संतों ने कभी भी अपने मूल्यों और आदर्शों से समझौता नहीं किया तथा वही जागृत चेतना आज के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भारत की नींव है। योगी आदित्यनाथ ने संतों की उपस्थिति में सनातन समाज से एकजुट होने का आह्वान किया।

गिरिराज सिंह ने ममता बनर्जी पर लगाया गंभीर आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सनसनीखेज आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सीएम ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में दंगा कराने की साजिश रच रही हैं। वे जानबूझकर प्रदेश में दंगे भड़काना चाहती हैं। नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सीएम ममता बनर्जी हताश हो गई हैं। बंगाल में कानून–व्यवस्था जैसी कोई चीज नहीं है और सुप्रीम कोर्ट ने भी यही बात कही है। अब वह यह कहकर लोगों को भड़काने की कोशिश कर रही हैं कि वहां पहलगाम जैसी कोई घटना हो जाएगी। गिरिराज सिंह ने कहा कि मैं उन्हें चेतावनी दे रहा हूं कि पहलगाम जैसी घटना दोबारा नहीं हो सकती है, लेकिन वह रोहिंग्या और घुसपैठियों के कम पर बंगाल को बांग्लादेश बनाने की कोशिश कर रही हैं, जो कभी पूरी नहीं होगी। रोहिंग्या मुसलमानों के साथ मिलकर टीएमसी की साजिश कभी सफल नहीं होगी। बंगाल की जनता ने यह तय कर लिया है कि वे न तो बंगाल को बांग्लादेश बनने देंगे और न ही रोहिंग्याओं को वहां रहने देंगे, इसीलिए ममता बनर्जी हताश हैं, लोगों को भड़का रही हैं और दंगे भड़काने की कोशिश कर रही हैं। कई राज्यों के सीएम से लेकर डिप्टी सीएम और केंद्रीय मंत्री मंगलवार को भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन कार्यक्रम में शामिल हुए। वहीं, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में टीएमसी का शासन तुष्टीकरण की नीति पर आधारित रहा। इसने भ्रष्टाचार को बढ़ाया है, इसीलिए इस बार लोग बदलाव करेंगे और सुशासन एवं विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी को चुनेंगे। भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी का दिमागी संतुलन खराब हो गया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी के लिए अब कुछ दिन ही बाकी है, चुनाव परिणाम आने के बाद यह लोग बंगाल से पलायन कर जाएंगे। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की पार्टी पाकिस्तान की मैनेजर बन बैठी है।भाजपा नेता अमल पांडा ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दावा करती हैं कि वह भारत में सबसे तेज गति से विकास करती हैं, लेकिन कैसा विकास हो रहा है, यह बंगाल की जनता 15 साल से देख रही है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी का दावा, पश्चिम बंगाल में बनेगी डबल इंजन की सरकार

देहरादून। पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दावा किया कि जनता डबल इंजन की सरकार बनाना चाहती है। देहरादून में सीएम धामी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस बार बंगाल में लोगों के बीच बदलाव की लहर है। वे सरकार बदलना चाहते हैं। टीएमसी सरकार ने वहां पूरी तरह से एक सिंडिकेट की तरह काम किया है और डर का माहौल बना दिया है। लोगों में गहरी निराशा है। लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में श्डबल–इंजनश वाली सरकार चाहते हैं।पश्चिम बंगाल में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद न भय रहेगा, न भ्रष्टाचार रहेगा, बल्कि विकास, विश्वास और सुशासन की नई धारा बहेगी। पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ही 'सोनार बांग्ला' के सपने को साकार कर सकती है। चारधाम यात्रा को लेकर सीएम धामी ने कहा कि सरकार की जो भी योजनाएं हैं, लोगों की जो भी जरूरतें हैं, उन सभी को समय पर और अच्छी गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाना चाहिए। चारधाम यात्रा को लेकर सभी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। तैयारियां अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं और चारधाम यात्रा अच्छी रहेगी।उन्होंने सचिवालय में थराली, कर्णप्रयाग, केदारनाथ, रुद्रप्रयाग और देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र की मुख्यमंत्री घोषणाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन समस्याओं का समाधान करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनप्रतिनिधियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखते हुए अधिकारी आमजन की समस्याओं का समाधान करें।

भाजपा लाख बेईमानी और साजिश कर ले बंगाल की जनता ममता बनर्जी को जिताएगी : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को राजनीतिक गलियारे में हलचल पैदा करते हुए भाजपा और चुनाव आयोग पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने पश्चिम बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी की जीत का भरोसा जताया और उत्तर प्रदेश की चुनावी मशीनरी पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। अखिलेश यादव ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और आयोग की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए। अखिलेश यादव ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की जीत का फिर दावा करते हुए कहा कि भाजपा लाख कोशिश, बेईमानी और साजिश कर ले, उसके बावजूद बंगाल की जनता उसे हराएगी। यादव ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान संसद में प्रस्तावित महिला आरक्षण के आधार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब 2011 से आबादी बढ़ गई है तो आधी आबादी और बढ़ गई होगी, तो जो आज की जनसंख्या है उस पर आरक्षण की बात होनी चाहिए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को लेकर अंदेशा जताते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञानेश अब और बेईमानी करेंगे तथा उत्तर प्रदेश के चुनाव में निर्वाचन आयोग और बेइमानी करेगा। उन्होंने आयोग को निशाना बनाते हुए दावा किया कि वह मतदाता समावेशन सुनिश्चित करने के अपने कर्तव्य में विफल रहा है। उन्होंने कहा, "मतदाताओं को जोड़ना निर्वाचन आयोग का काम है, लेकिन ऐसा पहली बार लग रहा है कि आयोग का ध्यान मतदाताओं को हटाने पर केंद्रित है।

रिकाबगंज से रेलवे स्टेशन संपर्क मार्ग अचानक धंसा, संबंधित विभाग के अधिकारियों व कर्मियो में मचा हड़कंप

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।रामनगरी में सीवर लाइन, प्रकाश, सड़क,नाली सहित अन्य चौमुखी विकास के नाम पर करोड़ों रुपए शान द्वारा पानी के तरीके से बहाया तो जा रहा है।देखा जाये तो उस रुपए का खर्चा धरातल स्थल पर न होकर बल्कि सिर्फ कागज तक ही और कमीशन तक खर्च हो रह रहा है।जिसका जीता जागता उदाहरण गुरुवार को शहर के अति व्यस्ततम मार्ग रिकाबगंज से भाजपा कार्यालय होते हुए रेलवे स्टेशन को जाने वाला संपर्क मार्ग पर दिखाई दिया।ना बारिश हुई ना आसपास जल भराव रहा इसके बावजूद यह मार्ग आज सुबह 10:00 बजे लगभग 100 मीटर तक धंस गया।यह मार्ग काफी गहराई तक धंस गया।और बड़े–बड़े गड्ढे दिखाई दे रहे थे।जिसके चलते इधर से गुजरने वाले सबसे अधिक रेल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा जिन्हें रेलवे स्टेशन जाकर अपने गंतव्य स्थान पर जाने के लिए ट्रेन पकड़नी थी।इसके अलावा इधर से गुजरने वाले चार पहिया, दो पहिया वाहन चालक भी काफी देर तक यहां पर लगी जाम का शिकार हुए।गनीमत इस बात की रही किया मार्ग सुबह धस अगर कहीं रात में दशा होता तो अंधेरे के चलते कई लोग चोट भी खाते।प्रश्न यह उठता है कि आखिर अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद से रामनगरी में जनता का करोड़ों रुपए अयोध्या के विकास के लिए लगाया जा रहा है लेकिन धरातल पर क्यों नहीं उतर रही है।देखा जाए तो कभी रामपथ, धर्मपथ,भक्ति पथ हल्की सी बारिश में धंस जाती है।कही फैंसी लाइट नहीं जलती हैं। कही सीवर लाइन के नाम पर विभिन्न सड़कों, गालियों,कॉलोनियों में खड्डे खोद दिये जाते है लेकिन वैसे ही छोड़ दिया जाता है।जिसके चलते इधर से गुजरने वाले राहगीर यहां के निवासी काफी मुसीबत का सामना उठाते हैं।परंतु इस गंभीर समस्या पर इससे संबंधित विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी चुप्पी साधे हुए हैं।

संपादकीय

एचडीएफसी बैंक की पारदर्शिता पर गहरे सवाल

हालिया घटनाओं से एचडीएफसी बैंक की पारदर्शिता पर गहरे सवाल उठे हैं। चेयरमैन के इस्तीफे और तीन अधिकारियों की बर्खास्तगी के बाद लोगों के मन में अनेक संदेह तैर रहे हैं। इन्हें दूर करने का विश्वसनीय प्रयास अविलंब किया जाना चाहिए। अंदेशा है कि मार्केट कैपिटलाइजेशन, ग्राहक आधार, और शाखा नेटवर्क के लिहाज से भारत में प्राइवेट सेक्टर के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी की साख पर उठे सवाल देश की वित्तीय अर्थव्यवस्था पर दूरगामी असर छोड़ सकते हैं। इसलिए इस बारे में पूरी पारदर्शिता बरतते हुए बैंक के सभी हितधारकों सहित पूरे देश को भरोसे में लिया जाना चाहिए। इस समय जबकि देश अंदरूनी एवं अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण गंभीर आर्थिक चुनौतियों के मुकाबिल है, बैंकिंग सेक्टर से जुड़ी एक अतिरिक्त समस्या का बोझ उठाने की स्थिति में वह नहीं होगा। बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने पिछले हफ्ते अपने पद से इस्तीफा देते हुए कहा कि इस संस्था के अंदर देखी गई कुछ ष्प्रथा और घटनाएंष उनकी अपनी व्यक्तिगत नैतिकता से मेल नहीं खातीं। हालांकि उन्होंने बैंक के भीतर कोई ठोस समस्या होने से इनकार किया और फुर्ती दिखाते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने भी बैंक की वित्तीय स्थिति को लेकर लोगों को आश्वस्त करने की कोशिश की, मगर बाद की घटनाओं से साफ है कि उससे बात नहीं बनी है। ष्नैतिकष कारणों से चेयरमैन के इस्तीफा देने से साफ संकेत मिला कि बैंक का संचालन सही तरीके से नहीं हो रहा है। फिर दो दिन बाद ही बैंक ने अपने तीन वरिष्ठ अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया। उन पर एटी–1 बॉन्ड्स की अनुचित ढंग से बिक्री का आरोप लगाया गया है। मतलब यह कि जो बॉन्ड सुरक्षित निवेश बताकर बेचे गए, वे बाद में जोखिम भरे साबित हुए। एटी–1 उच्च जोखिम वाले बॉन्ड होते हैं, जिन्हें बैंकों की पूंजी संरचना मजबूत करने के लिए जारी किया जाता है। फिर इस घटनाक्रम के दौरान इस ओर भी ध्यान गया है कि बैंक में पिछले दो वर्षों में कम–से–कम छह वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफा दिया या बैंक से उनका संबंध विच्छेद हुआ। स्पष्टतरू ये घटनाएं बैंक की पारदर्शिता पर सवाल उठाती है। इसीलिए चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद से बैंक के शेयरों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। तो साफ है कि निवेशकों सहित अन्य हितधारकों के मन में अनेक संदेह तैर रहे हैं। इन्हें दूर करने का विश्वसनीय प्रयास अविलंब किया जाना चाहिए।

तेल की तलवार और कूटनीति की ढाल- पश्चिम एशिया संकट में भारत की अग्निपरीक्षा

योगेश

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है। विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12–15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है। ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60–65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी

में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला 'रेमिटेंस' भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है। युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैनिक पैदा किया है। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधीकृत स्रोत हैं और पैनिक की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे? वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ती आयात निर्भरता के इस दौर में वैकल्पिक ऊर्जा अब केवल एक विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुकी है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही सच्ची स्वतंत्रता का आधार है और भारत को इस दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे। प्रधानमंत्री की मुफ्त बिजली योजनाएं और रूफटॉप सोलर मिशन केवल नीतिगत पहल नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सशक्त आधारस्तंभ हैं। भारत में 33 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता हैं, जो बड़े पैमाने पर आयातित ईंधन पर निर्भर हैं। यदि रसोई को इंडक्शन कुकिंग और एथनॉल आधारित विकल्पों की ओर मोड़ा जाए तो न केवल खर्च कम होगा बल्कि ऊर्जा आयात का बोझ भी घटेगा। लगभग 8 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली पर खाना बनाना एलपीजी की तुलना में किफायती है, वहीं कृषि अवशेषों से बनने वाला एथनॉल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। इससे 'अन्नदाता' ही 'ऊर्जादाता' बन सकता है। परिवहन क्षेत्र में विद्युतीकरण भी उतना ही आवश्यक है। वर्तमान में तेल की सबसे अधिक खपत इसी क्षेत्र में होती है जबकि बिजली की हिस्सेदारी नगण्य है। यदि सार्वजनिक और वाणिज्यिक परिवहन को इलैक्ट्रिक किया जाए तो अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है।

ईरान को पहले अमेरिका से पिटवाया, फिर दिखावे के लिए पाकिस्तान बीच बचाव के लिए आया

नीरज

पाकिस्तान की विदेश नीति को अगर सीधे शब्दों में समझना हो तो यह साफ दिखता है कि वह एक साथ दो खेल खेलता है। सामने दोस्ती, पीछे साजिश यही उसकी पहचान बन चुकी है। हाल के घटनाक्रम ने इसे और उजागर कर दिया है। पिछले साल जून में जब पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष असीम मुनीर ने व्हाइट हाउस में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी तो इसके पीछे गहरी रणनीति छिपी थी। इस एक बैठक ने दिखा दिया था कि पाकिस्तान कैसे एक तरफ खुद को सहयोगी बताता है और दूसरी तरफ पर्दे के पीछे अपने मतलब का खेल खेलता रहता है। बताया जाता है कि इस मुलाकात में ईरान के मुद्दे पर लंबी बातचीत हुई थी। यह भी चर्चा में रहा कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान के ठिकानों के इस्तेमाल की संभावना टटोली। इससे भी गंभीर आरोप यह है कि पाकिस्तान ने ईरान के परमाणु ठिकानों से जुड़ी जानकारी अमेरिका को उपलब्ध कराई, जिसके आधार पर पिछले साल ही ईरान में अमेरिकी हमला हुआ था। यह न केवल विश्वासघात है बल्कि मुस्लिम दुनिया में भी एक गहरी दरार का संकेत देता है। देखा जाये तो पाकिस्तान और ईरान के संबंध कभी भी सहज नहीं रहे। एक ओर धार्मिक मतभेद हैं जहां सुन्नी और शिया का सवाल हमेशा तनाव का कारण बना रहा, वहीं दूसरी ओर रणनीतिक प्रतिस्पर्धा भी है। पाकिस्तान खुद को इस्लामी दुनिया की एकमात्र परमाणु शक्ति के रूप में देखता रहा है और वह नहीं चाहता कि कोई और मुस्लिम देश इस श्रेणी में आए। ऐसे में ईरान का परमाणु कार्यक्रम पाकिस्तान के लिए असहजता का कारण बनता है। यही वजह है कि पाकिस्तान खुले मंच पर भले ही तटस्थता की बात करे, लेकिन पर्दे के पीछे वह अलग खेल खेलता दिखता है। यह दोहरापन सिर्फ ईरान के मामले तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान एक ओर अमेरिका के साथ खुफिया सूचनाएं साझा करता है, वहीं दूसरी ओर खुद को शांति दूत के रूप में प्रस्तुत करता है। ईरान–अमेरिका–इजराइल युद्ध में पाकिस्तान ने शांति वार्ता कराने की पहल का दिखावा किया, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह वास्तव में शांति की कोशिश थी या अपनी छवि सुधारने का प्रयास था? इस पूरे खेल में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। एक तरफ वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति और सहयोग की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी सरकार की नीतियां और फैसले पाकिस्तान की दोहरी रणनीति को मजबूत करते हैं। यह एक तरह का सुनियोजित भ्रम है जिसमें दुनिया को एक चेहरा दिखाया जाता है और दूसरा चेहरा छिपा रहता है। साथ ही अमेरिका और पाकिस्तान के संबंध भी इस संदर्भ में दिलचस्प हैं। डोनाल्ड ट्रंप भले ही अपने पिछले कार्यकाल में पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर कठघरे में खड़ा कर चुके हों, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में उनका रुख बदला हुआ नजर आता है। इसकी एक वजह यह भी है कि ट्रंप परिवार का पाकिस्तान में आर्थिक निवेश है। ऐसे में रणनीतिक हित और निजी हित एक दूसरे में घुलते नजर आते हैं। यही सबसे खतरनाक पहलू है कि अमेरिका पाकिस्तान के इस खुले दोहरे चरित्र को भलीभांति समझता है, फिर भी जानबूझकर उसे नजरअंदाज करता है। यह कोई मजबूरी नहीं बल्कि सोची समझी चाल है। हालिया संघर्षविराम का श्रेय पाकिस्तान को देना इसी खेल का हिस्सा है। अमेरिका जानता है कि पाकिस्तान एक तरफ आग को हवा देता है और दूसरी तरफ खुद को बुझाने वाला बताता है, फिर भी वह इस्लामाबाद को आगे करता है ताकि अपने रणनीतिक हित साध सके। दूसरी ओर पाकिस्तान इस मौके को ऐसे भुनाता है मानो वह दुनिया का सबसे बड़ा शांति दूत हो, जबकि हकीकत यह है कि वही पर्दे के पीछे हालात बिगाड़ने में भी शामिल रहता है। यह पूरी कहानी एक सुनियोजित नाटक की तरह है, जिसमें अमेरिका और पाकिस्तान दोनों अपने अपने किरदार निभा रहे हैं और दुनिया को गुमराह किया जा रहा है। यहां असल सवाल यह है कि क्या दुनिया इस दोहरे खेल को समझ रही है? पाकिस्तान लंबे समय से इसी रणनीति पर काम करता आया है। अफगानिस्तान के मामले में भी उसने एक तरफ अमेरिका का साथ दिया और दूसरी तरफ तालिबान को समर्थन दिया। अब वही नीति ईरान के संदर्भ में दिखाई दे रही है। असीम मुनीर और शहबाज शरीफ की जोड़ी इस रणनीति को नए स्तर पर ले जाती दिख रही है। सेना और सरकार के बीच तालमेल के जरिए एक ऐसा तंत्र तैयार किया गया है जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर भ्रम पैदा करने में सक्षम है। यह सिर्फ कूटनीति नहीं बल्कि एक सुनियोजित छवि प्रबंधन है। दुनिया के लिए यह समझना जरूरी है कि पाकिस्तान की नीति सिर्फ बयानबाजी तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके पीछे गहरी रणनीतिक सोच काम करती है। जब तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस दोहरे चरित्र को पहचान कर उसके अनुसार प्रतिक्रिया नहीं देगा, तब तक पाकिस्तान इसी तरह दो नावों पर सवार होकर अपने हित साधता रहेगा। यह कहना गलत नहीं होगा कि पाकिस्तान आज भी विश्वास और संदेह के बीच खड़ा देश है। उसके कदमों में स्थिरता नहीं बल्कि अवसरवादिता झलकती है। बहरहाल, ईरान के खिलाफ युद्ध में संघर्षविराम के ऐलान के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को दुनिया का सबसे बड़ा शांति दूत साबित करने में जुटे हैं। हालांकि नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत रखने वाले ट्रंप का अपने दूसरे कार्यकाल में युद्ध भड़काना और फिर सभ्यता खत्म कर देने जैसी धमकियां देना उनके असली चरित्र को उजागर करता है। इसी कड़ी में पाकिस्तान भी पीछे नहीं है, जो इस संघर्ष में मध्यस्थता का श्रेय लेने की कोशिश कर रहा है। असीम मुनीर और शहबाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान एक तरफ शांति की बात करता है, जबकि दूसरी ओर उसी पर दुनिया भर में अशांति और आतंकवाद फैलाने के आरोप लगते रहे हैं। सच यह है कि यह पूरा घटनाक्रम शांति का नहीं बल्कि दोहरे चरित्र और अवसरवादी राजनीति का एक और उदाहरण बनकर सामने आया है, जिसे अब दुनिया साफ साफ समझने लगी है।

नाले से गैस निकालें और आत्मनिर्भर बनें

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक कहा है कि भारत में गैस का या तेल का कोई संकट नहीं है। उन्होंने अपने मंत्रियों और अन्य नेताओं से कहा कि वे जनता के बीच जाएं और उनको बताएं कि तेल और गैस का संकट नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूरे आत्मविश्वास के साथ बताएं कि कोई संकट नहीं है। चार मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी गुरुवार को साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस करके भी यही कहा कि तेल और गैस का कोई संकट नहीं है। अब असली बात क्या है? असली बात तेल या गैस का संकट नहीं है, बल्कि असली बात आत्मविश्वास है। देश तेल या गैस से नहीं आत्मविश्वास से चलता है। अगर आत्मविश्वास है कि तेल और गैस का कोई संकट नहीं है तो इसका मतलब है कि कोई संकट नहीं है। देश के जो लोग गैस एजेंसियों के सामने कतार लगा कर खड़े हैं, धक्के खा रहे हैं, गैस की बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं, जो होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं, कैंटीन्स बंद की जा रही हैं, हवाई किराया बढ़ाया जा रहा है, अयोध्या की राम रसोई बंद हुई है, सुप्रीम कोर्ट और कांग्रेस मुख्यालय की कैंटीन में कैटरिंग का काम सीमित किया गया है, आईआरसीटीसी के बारे में कहा जा रहा है कि वह कैटरिंग में कटौती करने वाला है, यह सब असल में एक साजिश है, जो सरकार को बदनाम करने वाले लोगों ने रची है। यह भी कह सकते हैं कि अमेरिका वाले जॉर्ज सोरोस या उस तरह का कोई टूलकिट लगा है, जिसको भारत के विश्वगुरू बनने से चिढ़ है और वह इकोसिस्टम सरकार और देश को बदनाम करने के लिए इस तरह के काम करा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा भी कि कुछ लोगों का काम पैनिक फैलाना होता है। वहीं लोग गैस संकट को लेकर पैनिक फैला रहे हैं। अन्यथा, जब विश्वगुरू भारत के प्रधानमंत्री ने कह दिया कि तेल और गैस का संकट नहीं है तो लोगों को मान लेना चाहिए कि संकट नहीं है। जो नहीं मान रहे हैं वे देश विरोधी इकोसिस्टम के लोग हैं। ऐसे ही लोगों ने नोटबंदी के समय कतार में लग कर और कोरोना के समय ऑक्सीजन की कमी बता कर जान दी थी और देश की छवि बिगाड़ी थी और अब गैस एजेंसियों के सामने कतार लगा कर सरकार की छवि बिगाड़ रहे हैं। उनको पता ही नहीं है कि सरकार के पास इतने गैस के सिलेंडर भरे हुए हैं कि राह चलते लोगों को पकड़ पकड़ कर सिलेंडर दिया जा रहा है। कुछ देशद्रोही किस्म के लोग ही इस बात का मुद्दा बना रहे हैं कि सरकार ने शहरों में गैस की बुकिंग का समय 20 दिन से बढ़ा कर 25 दिन कर दिया और गांवों में 45 दिन से पहले बुकिंग नहीं करने का नियम बनाया है। यह तो सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए किया गया है। इसी तरह घरेलू रसोई गैस के सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए और कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए की जो बढ़ोतरी की गई है वह तो इसलिए की गई है ताकि लोग देश के विकास में ज्यादा योगदान कर सकें। इसलिए लोगों की अपने कानों और अपनी आंखों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। उनको वह देखना और सुनना चाहिए, जो सरकार कह रही है। प्रधानमंत्री कह रहे हैं। देश के विदेश मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री कह रहे हैं। सब एक ही बात कह रहे हैं कि कोई संकट नहीं है। तेल के भंडार लबालब भरे हुए हैं और जिस देश में हर दूसरा व्यक्ति डॉक्टर के यहां जाकर कहता हो कि डॉक्टर साहेब गैस बन रही है, उस देश में गैस की कमी भला कैसे हो सकती है! बाकी इसके बावजूद अगर किसी को गैस की किल्लत महसूस हो रही है तो सरकार ने कोयला को विकल्प के तौर पर आजमाने के लिए कह दिया है। कोयले की तो कमी देश में है नहीं। अगर उसकी भी कमी मिले तो लकड़ी का चुल्हा आजमाया जा सकता है। लोगों को यह भी तो समझना चाहिए कि आत्मनिर्भर भारत में वे कब तक सरकार और दूसरे देशों पर निर्भर रहेंगे। अपनी लकड़ी काटें, अपना कोयला निकालें और काम चलाएं। नाले से गैस निकालें और आत्मनिर्भर बनें।

तनावपूर्ण चुनाव अभियान में पराजित होती दिख रही भाजपा

कल्याणी शंकर

कल्याणकारी योजनाओं की एक श्रृंखला – छात्रों के लिए साइकिल और छात्रवृत्ति, शिक्षा जारी रखने के लिए छात्राओं के लिए नकद हस्तांतरण और स्वास्थ्य बीमा– ने सुनिश्चित किया है कि बनर्जी की लोकलुभावन अपील बेदाग है। वह महिला मतदाताओं के बीच लोकप्रिय बनी हुई हैंरू इस चुनाव में उनके लगभग 17 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं हैं। नवीनतम जनमत सर्वेक्षण अनुमानों के अनुसार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ऐतिहासिक चौथा कार्यकाल मिलने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में अपनी पकड़ मजबूत कर रही है और ममता की स्थिति को चुनौती देने के लिए काफी महत्वाकांक्षी है। इस बीच, कांग्रेस और सीपीआई (एम) दोनों ने अपना प्रभाव खो दिया है। ममता के लिए मुख्य संदेश यह है कि भाजपा का उदय इन पारंपरिक पार्टियों की कीमत पर हुआ है।बंगाल में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है, जिससे यह चुनाव राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बन गया है। यह राज्य अत्यधिक प्रतिस्पर्धी राजनीतिक परिदृश्य को बढ़ावा देता है। टीएमसी को स्पष्ट लाभ है। पार्टी के लिए 119 सीटों को बहुत मजबूत और अतिरिक्त 95 को मजबूत के रूप में वर्गीकृत किया गया है। भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में ममता बनर्जी का मुकाबला उनके पूर्व सहयोगी और भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी से है। भाजपा ने सुवेंदु को मुख्यमंत्री चेहरे के तौर पर पेश किया है।भाजपा ने अपना अभियान ममता बनर्जी के 15 साल के कार्यकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के शासन की आलोचना पर केंद्रित किया है। पिछले हफ्ते, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ एक आरोपपत्र जारी किया था, जिसमें बनर्जी के नेतृत्व की आलोचना करते हुए उन्हें शममताजीश या शदीदीश कहकर संबोधित किया गया था। 2021 के पश्चिम बंगाल चुनाव में टीएमसी ने 215 सीटें हासिल कर अहम जीत हासिल की थी। यह एक उल्लेखनीय राजनीतिक बदलाव को दर्शाता है। इसके विपरीत, भाजपा ने 77 सीटें जीतीं, जो राज्य में उसके बढ़ते प्रभाव को उजागर करती हैं। 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद से पिछले पांच वर्षों में, दलबदल और 12 सदस्यों की चुनावी हार के कारण भाजपा की ताकत घटकर 65 हो गई है। धार्मिक और जातिगत आधार पर मतदान के रूझानों से पता चलता है कि कैसे विभिन्न समुदाय टीएमसी और भाजपा का समर्थन करते हैं, जिससे चुनाव के नतीजे के लिए हर वोट महत्वपूर्ण हो जाता है। उत्तर बंगाल के आठ जिलों में भाजपा मजबूत है, जबकि दक्षिण बंगाल के जिलों में टीएमसी का पूरा वर्चस्व है। भाजपा हिंदू वोटों पर निर्भर है जबकि टीएमसी मुस्लिमों, महिलाओं और असंगठित वोटों पर निर्भर है। ममता बनर्जी ने मतदाताओं से उन्हें राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवार के रूप में देखने का आह्वान किया है, न कि केवल व्यक्तिगत टीएमसी उम्मीदवारों के लिए। उन्होंने भाजपा पर बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मतदाताओं को अवैध रूप से पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में जोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि वे बिहार के समान तरीकों का उपयोग करके इन मतदाताओं को ट्रेन से ले आने की योजना बना रहे हैं।पश्चिम बंगाल में लगभग 125 निर्वाचन क्षेत्रों में मुख्य रूप से मुस्लिम आबादी है, जिनमें से टीएमसी ने पिछले चुनाव में 100 से अधिक सीटें जीतीं, जिससे उन्हें मजबूत लाभ मिला है। 2021 के चुनावों के विपरीत,भाजपा अब अपने अभियान में धार्मिक विषयों पर कम ध्यान केंद्रित कर रही है। भाजपा का लक्ष्य 2021 के विपरीत, आगामी चुनावों में धार्मिक विभाजन से बचना है। कुल 30 प्रतिशत से अधिक मतदाता मुस्लिम होने के कारण, पिछले विभाजनों ने उनके समर्थन को नुकसान पहुंचाया है। अपने दृष्टिकोण को नरम करने के लिए, वे अब शबाहरीश शब्द का उपयोग करते हैं। यह अंदरूनी–बनाम–बाहरी विषय ममता को फायदा देता है। एक शक्तिशाली राजनीतिक नेता, ममता सन् 2011 में कम्युनिस्ट नेतृत्व वाली सरकार को हटाकर सत्ता में आईं, जिसने 34 वर्षों तक पश्चिम बंगाल पर शासन किया था और तब से उन्होंने अपनी स्थिति बरकरार रखी है। टीएमसी बहुत संरचित नहीं है और इसमें सख्त नियमों का अभाव है। इसमें विश्वासों के एक मजबूत समूह का भी अभाव है। भारत में कई क्षेत्रीय दलों की तरह, यह ममता बनर्जी के मजबूत नेतृत्व पर निर्भर करता है, जिन्हें उनके समर्थक प्यार से दीदी और बंगाल टाइग्रेस के नाम से जानते हैं। राजनीति पॉडकास्ट यदि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत होती है तो उससे पार्टी को महत्वपूर्ण बढ़त मिलेगी, खासकर तब जब नरेंद्र मोदी भारत में सबसे लोकप्रिय नेता होने के बावजूद राज्य चुनावों में संघर्ष कर रहे हैं। बड़े पैमाने पर मुस्लिम मतदाताओं वाले राज्य में जीतना एक मजबूत प्रतीकात्मक महत्व होगा ।

ईट पत्थर चलाते फायरिंग करते दो भैंस लाद ले गए पिकअप सवार चोर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।। जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कूकुडीपुर गांव से पिकअप सवार चोर दो भैस लाद ले गए । जबकि तीसरा लादने के प्रयास में पशु मालिक जाग उठे और चिल्लाने पर वह ईट पत्थर चलाते व फायरिंग करते हुए भाग निकले। घटना से लेकर परिवार दहशत में है। जानकारी के अनुसार कुकुडीपुर गांव के निवासी रामसागर यादव देवकली माइनर के समीप बनी पाही पर सो रहे थे और वही उनके गाय भैंस अन्य मवेशी भी रहते थे। बुधवार को रात करीब 12 बजे पशुशाला मे पशुओं के बोलने की आवाज सुनकर जागे, तो देखा कुछ लोग मुंह बांधकर भैंस खूटे से छोड़ रहे थे । वह चिल्लाते व ललकारते हुए चोरो की तरफ बढे, इस दौरान भैंस चोरों ने उन पर ही पत्थर चलाना शुरू कर दिया और एक भैंस लेकर पिकअप में लाद भी लिए दूसरी पडिया भैंस पहले से लाद चुके थे। तीसरी भैस छोड़ने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन रामसागर के चिल्लाने पर वह ईट पत्थर चलाते हुए फायरिंग भी कर दिया।इस दौरान रामसागर को ईट पत्थर लगने से हल्की चोटें भी आई । फिर वह वापस वह चिल्लाना नहीं छोड़े । जिससे अन्य लोगों की जागने पर वह पिकअप में सवार होकर चोर करंजाकला बाजार की तरफ पिकअप लेकर भाग निकले । पीड़ित रामसागर के मुताबिक चोरों की संख्या 5 से अधिक थी और सफेद पिकअप पर लाद कर फरार हुए है। पीड़ित ने सरायख्वाजा पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सरायख्वाजा क्षेत्र में पशुओं की चोरी के मामले बढ़ गए हैं। लेकिन चोर पुलिस की पकड़ से दूर हैं।

थ्रेसर की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर बरसठी थाना क्षेत्र के भदराव गांव निवासी की गुरुवार को थ्रेसर की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार भदराव गांव निवासी मुलायम बनवासी (35) अपने ससुराल में रहकर मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करता था। इन दिनों गेहूं कटाई के बाद मड़ाई का कार्य चल रहा है। बताया जाता है कि वह गांव निवासी उपेंद्र सरोज के ट्रैक्टर पर रहकर मड़ाई का काम कर रहा था। गुरुवार को दोपहर लगभग 12रू30 बजे वह पड़ोसी गांव चक मलाई में राकेश गौतम के खेत में गेहूं की मड़ाई कर रहा था। इसी दौरान वह गेहूं का बोझ खोलकर थ्रेसर में डाल रहा था, तभी अचानक वह मशीन की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। शव को देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी पूजा गर्भवती बताई जा रही है और उसके पास दो साल का एक पुत्र भी है। सूचना पर थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतक मूल रूप से बनकट (मोढ़) का निवासी था और विवाह के बाद से ही अपनी पत्नी के साथ ससुराल में रह रहा था।

पास्को केस में बरी प्रो0 पर फिर कसा शिकंजा, अदालत ने जारी किया नोटिस,फर्जी साक्ष्य का आरोप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित तिलकधारी विधि महाविद्यालय, पीलीकोठी में तैनात प्रोफेसर डॉ. संतोष कुमार सिंह एक बार फिर कानूनी विवादों में घिर गए हैं। 10 वर्षीय बालक से कुकर्म के गंभीर आरोपों वाले पास्को मामले में दोषमुक्त होने के बाद अब उनके खिलाफ अदालत में फर्जी साक्ष्य पेश करने का नया मामला दर्ज हुआ है। विशेष पास्को न्यायालय ने इस प्रकरण में प्रोफेसर सहित अन्य संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। गौरतलब है कि 31 मई 2023 को दर्ज मामले में डॉ. संतोष कुमार सिंह पर भारतीय दंड संहिता की धारा 377, 342, 506 तथा पास्को एक्ट की धारा 5(डी)6 के तहत आरोप लगे थे। हालांकि, अपर सत्र न्यायाधीशध्विशेष न्यायाधीश उमेश कुमार द्वितीय (पास्को) ने 24 फरवरी 2026 को दिए अपने फैसले में उन्हें सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया था। अदालत में अपने बचाव के दौरान प्रोफेसर ने दावा किया था कि घटना के समय वे कॉलेज परिसर में मौजूद थे और सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक पीएचडी शोधार्थियों को पढ़ा रहे थे। इस दावे के समर्थन में उन्होंने शोधार्थियों की उपस्थिति पंजिका (रजिस्टर) को साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया था। शोधार्थी मनोज कुमार गुप्ता और अजय कुमार सिंह ने भी अदालत में गवाही देकर इस रजिस्टर को सही बताया था, जिसके आधार पर उन्हें राहत मिली। हालांकि, पीड़ित बालक की मां श्रीमती सुषमा सिंह को इस साक्ष्य पर संदेह हुआ। उन्होंने सूचना के अधिकार (ल्प्) के तहत जानकारी मांगी, जिसमें खुलासा हुआ कि तिलकधारी विधि महाविद्यालय परिसर में पीएचडी कोर्स वर्क संचालित ही नहीं हुआ था, बल्कि यह कोर्स वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में आयोजित हुआ था। इस तथ्य के सामने आने के बाद श्रीमती सुषमा सिंह ने अपने अधिवक्ता विकास तिवारी के माध्यम से दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 340 के तहत विशेष पास्को न्यायालय में प्रार्थना पत्र दाखिल किया। मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने प्रार्थना पत्र स्वीकार करते हुए डॉ. संतोष कुमार सिंह, मनोज कुमार गुप्ता और अजय कुमार सिंह को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।इस मामले में गुरुवार को जानकारी देते हुए परिवादिनी पक्ष के अधिवक्ता विकास तिवारी ने बताया कि अभियुक्तों ने अदालत को गुमराह करने के लिए झूठी गवाही दी और फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत किए, जिससे न्याय प्रक्रिया और अदालत की गरिमा को ठेस पहुंची है। इसे गंभीरता से लेते हुए न्यायालयल ने संतोष कुमार सिंह और अन्य दो लोगों को नोटिस दिया है। वहीं, पीड़ित की मां सुषमा सिंह ने कहा कि उनके नाबालिग बच्चे के साथ हुए अपराध के बाद अब न्यायालय को भी धोखा देने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि वे सच्चाई सामने लाने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए संघर्ष जारी रखेंगी। फिलहाल यह मामला प्रकीर्ण वाद के रूप में न्यायालय में विचाराधीन है। अगली सुनवाई के लिय 12 मई तिथि निधारित किया गया है इसमें आरोपितों को अपना पक्ष रखना होगा।

15 अप्रैल से पूर्वांचल विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं, 5 मई तक धरना–प्रदर्शन पर रोक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय प्रशासन ने सेमेस्टर परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अहम दिशा–निर्देश जारी किए हैं। विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं 15 अप्रैल से शुरू होंगी, जिसके मद्देनजर परिसर में 5 मई तक किसी भी प्रकार के धरना–प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इस संबंध में गुरुवार को जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा अवधि के दौरान छात्रों या अन्य किसी भी व्यक्ति को परिसर में विरोध–प्रदर्शन की अनुमति नहीं होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी छात्र या संबंधित पक्ष को कोई समस्या या शिकायत है, तो वे अपनी बात लिखित रूप में परीक्षा नियंत्रक या कुलसचिव कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं, ताकि नियमानुसार उसका समाधान किया जा सके। वहीं, परीक्षा परिणामों से संबंधित त्रुटियों के त्वरित निस्तारण के लिए छात्र सहायता प्रकोष्ठ को तत्काल प्रभाव से पुनः सक्रिय कर दिया गया है। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक भवन के भूतल पर संचालित होगा। विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र–छात्राएं कार्यदिवसों में प्रातः 10रू30 बजे से दोपहर 2रू00 बजे तक अपनी समस्याओं के समाधान हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। आवेदन पत्र संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य से प्रमाणित एवं अग्रसारित होना अनिवार्य होगा, साथ ही आवश्यक अभिलेख संलग्न करने होंगे, ताकि मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बना रहीं नागरिक सूचना पट्ट, बढ़ रही आय और आत्मनिर्भरता

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या के नेतृत्व व निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं प्रदेश में मनरेगा योजना के अभिसरण से नागरिक सूचना पट्ट का निर्माण कर रही हैं। मनरेगा के कार्य आरंभ होने से पूर्व सभी कार्यस्थलों पर स्थापित किए जाने वाले नागरिक सूचना पट्ट का निर्माण स्वयं सहायता समूह की महिलाएं ही करती हैं इस कार्य से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की आय में बढ़ोतरी हो रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं और उनका आत्मसम्मान भी बढ़ रहा है। प्रति वर्ष स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बड़े स्तर पर नागरिक सूचना पट्ट का निर्माण किया जा रहा है। ग्रामीण महिलाएं अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से मनरेगा योजना के तहत निर्मित परिसंपत्तियों पर नागरिक सूचना पट्ट तैयार किए जा रहे हैं, जिससे उनकी आजीविका में वृद्धि हो रही है।जब एक महिला आत्मनिर्भर होती है तो पूरा परिवार आत्मनिर्भर बनता है। एक परिवार के आत्मनिर्भर होने से समाज की महत्वपूर्ण कड़ी मजबूत होती है और जब ऐसी कड़ियां आपस में जुड़ती हैं तो राष्ट्र निर्माण की इकाई सशक्त होती है तथा विकसित भारत की संकल्पना साकार होती है। विकसित भारत के लिए महिलाओं का आत्मनिर्भर हो नहीं, बल्कि विकसित होना भी आवश्यक है।राज्य स्तर से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 22,170 महिलाओं द्वारा मनरेगा से जुड़कर नागरिक सूचना पट्ट के निर्माण का कार्य किया गया है। वर्तमान समय तक कुल 5,55,681 नागरिक सूचना पट्ट बनाए जा चुके हैं इससे ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि के साथ उनमें उद्यमिता की भावना भी विकसित हो रही है।

भाजपा का स्थापना दिवस 'सेवा पखवाड़ा' के रूप में मनाया, चला स्वच्छता अभियान व कार्यकर्ताओं का सम्मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में भारतीय जनता पार्टी ने अपना स्थापना दिवस 'सेवा पखवाड़ा दिवस' के रूप में मनाते हुए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस दौरान गुरुवार को नगर दक्षिणी मंडल अध्यक्ष कमलेश निषाद के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया और पार्टी के पुराने व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। अभियान के तहत शहर के वाजिदपुर, कटघरा और चाचकपुर मोहल्लों में कार्यकर्ताओं ने झाड़ू लगाकर साफ–सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया। इस मौके पर पूर्व सांसद डॉ. कृष्ण प्रताप सिंह भी उपस्थित रहे और उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। स्वच्छता अभियान के उपरांत वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं विशिष्टजनों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी के प्रति उनके योगदान को सराहा गया। स्थापना दिवस के अंतर्गत गांव और बस्ती संपर्क अभियान भी चलाया गया। भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने घर–घर जाकर केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी और जनसंवाद स्थापित किया। इस अवसर पर मातृशक्ति, पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक, मोर्चा अध्यक्ष, सभासद, बूथ अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

वतन की आजादी के लिए बेगम को रहना पड़ा वतन से दूर

लखनऊ, (संवाददाता)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के जस्टिस सैयद कमर हसन रिजवी के मुताबिक, बेगम हजरत महल ने अपने राज्य के लोगों का मार्गदर्शन किया और युद्ध के मैदान में सक्रिय रहीं, उन्हें वतन से दूर भी होना पड़ा। जस्टिस रिजवी मंगलवार को बेगम हजरत महल की 147वीं बरसी पर बेगम हजरत महल पार्क में आयोजित कायक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर एरा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अब्बास अली मेहदी के साथ ही अध्यक्ष अखिलेश जायसवाल ने भी विचार व्यक्त किए।

शिक्षामित्रों और अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि, मंत्रिपरिषद ने दी मंजूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में शिक्षामित्रों एवं अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि को स्वीकृति प्रदान की गई। इस निर्णय से प्रदेश के लाखों शिक्षा कर्मियों को सीधा लाभ मिलेगा तथा शिक्षा व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी।मंत्रिपरिषद के निर्णय की जानकारी देते हुए बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)"दकममब"पदही ने बताया कि वर्ष 2017 में 10,000 रुपये निर्धारित किए गए शिक्षामित्रों के मानदेय को बढ़ाकर अब 18,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। इसी प्रकार अंशकालिक अनुदेशकों का मानदेय 9,000 रुपये से बढ़ाकर 17,000 रुपये प्रतिमाह किया गया है। यह बढ़ा हुआ मानदेय 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा तथा मई माह में दिए जाने वाले भुगतान में शामिल किया जाएगा।उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 1,42,929 शिक्षामित्र कार्यरत हैं, जिनमें से 1,29,332 शिक्षामित्रों का मानदेय अब तक समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत केंद्र व राज्य सरकार के 60रू40 अनुपात में प्राप्त होता रहा है। मानदेय वृद्धि के फलस्वरूप इन पर आने वाला 1138.12 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय प्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। शेष 13,597 शिक्षामित्र, जिनका भुगतान पूर्णतः राज्य सरकार द्वारा किया जाता है, उनके लिए 119.65 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय भी राज्य सरकार वहन करेगी।

सहायक प्राध्यापक पुनर्परीक्षा 18 व 19 अप्रैल को, छह जनपदों में 53 परीक्षा केंद्र निर्धारित

लखनऊ, (संवाददाता)। रूउत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा सहायक प्राध्यापक (विज्ञापन संख्या–51) चयन पुनर्परीक्षा का आयोजन 18 एवं 19 अप्रैल 2026 को प्रदेश के छह जनपदक आगरा ,मेरठ लखनऊ ,प्रयागराज ,गोरखपुर एवं टंतंदेप में प्रस्तावित 53 परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। परीक्षा दोनों दिनों में दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली प्रातः 09:30 बजे से 11:30 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 02:30 बजे से 04:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा 18 एवं 19 अप्रैल को विभिन्न विषयों के लिए तिथि एवं पाली के अनुसार आयोजित की जाएगी, जिसमें कला, विज्ञान, वाणिज्य, भाषा एवं अन्य विषयों के अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे।आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने अभ्यर्थियों को सूचित किया है ।

एआई से सशक्त होगी सरकारी स्कूलों की शिक्षण व्यवस्था

लखनऊ, (संवाददाता)। अपर मुख्य सचिव बेसिक व माध्यमिक पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि एआई को शिक्षा व्यवस्था को सशक्त करने वाले माध्यम के रूप में अपनाना ही होगा। शिक्षकों को जानकारी देते हुए कहा कि आज एआई का जमाना है। इसलिए समय के साथ इसे समझ जरूरी है। मौका था बेसिक शिक्षा विभाग व संपर्क फाउंडेशन की ओर से मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम एआई फॉर एजुकेशन इंपैक्ट स्टेट एक्शन डायलॉग का। कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने की।उन्होंने बताया कि कार्यशाला का लक्ष्य शिक्षकों को एआई आधारित नवाचारों से परिचित कर उन्हें प्रशिक्षित करना है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जा सकेगा। संपर्क फाउंडेशन के सहयोग से इस पहल को बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में कई ऐसे परिषदीय विद्यालय हैं जहां प्रवेश के लिए उत्साह बढ़ा है जो शिक्षकों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। स्वयं शिक्षिका रहने का अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि बदलाव की इस प्रक्रिया को उन्होंने करीब से महसूस किया है और जिस तरह दुनिया एआई के साथ आगे बढ़ रही है, उसी तरह अब प्रदेश के शिक्षक और विद्यार्थी भी कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ेंगे। वर्तमान में 19 हजार से अधिक सरकारी विद्यालयों के एक लाख शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

मैनपुरी में 63 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा भव्य सांस्कृतिक केंद्र

लखनऊ, (संवाददाता)। जनपद मैनपुरी विगत नौ वर्षों से राज्य सरकार की प्राथमिकता में रहा है। इसी के चलते यहां चौमुखी विकास के साथ बुनियादी सुविधाओं का सृजन किया गया है तथा शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक सड़कों का व्यापक जाल बिछाया गया है। मैनपुरी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भूमि होने के साथ ही अनेक प्राचीन धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक विरासत को समेटे हुए है। इसी क्रम में मैनपुरी को नई पहचान देने के उद्देश्य से 63 करोड़ रुपये की लागत से यहां एक भव्य सांस्कृतिक केंद्र विकसित किया जा रहा है। मैनपुरी अब विकास के मामले में प्रदेश के अग्रणी जनपदों की श्रेणी में स्थापित हो चुका है। यह जानकारी मैनपुरी सदर से विधायक एवं पर्यटन तथा संस्कृति मंत्री ने दी। उन्होंने बताया कि प्राचीनकाल में यहां चौहान वंश के शासक महाराजा तेज सिंह जूदेव का शासन था, जिन्होंने ब्रिटिश शासन को चुनौती दी थी। उन्होंने बताया कि मैनपुरी में निर्माणाधीन सांस्कृतिक केंद्र के लिए 25,544 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गई है, जो तेज सिंह किले के पास स्थित है। इस केंद्र में संग्रहालय, प्रदर्शनी क्षेत्र, खुला रंगमंच, पुस्तकालय, छात्रावास और अल्पाहार गृह जैसी कई सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।पर्यटन मंत्री ने बताया कि विभिन्न आयोजनों के लिए 800 लोगों की क्षमता वाला आधुनिक सभागार भी बनाया जा रहा है। शहर की कला, प्राचीन मूर्तियों और शिल्प को प्रदर्शित करने के लिए विशेष दीर्घा भी तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह सांस्कृतिक केंद्र समृद्ध विरासत और गौरवशाली इतिहास को नई पहचान देने के साथ कला, संस्कृति और परंपराओं का जीवंत केंद्र बनेगा, जहां स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिल सकेगा।अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग ।उतपज झ्रिपज़ ने बताया कि मैनपुरी का यह सांस्कृतिक केंद्र ऐतिहासिक विरासत को आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। राज्य सरकार का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को अपनी जड़ों और समृद्ध इतिहास से जोड़ते हुए उनमें सांस्कृतिक चेतना और गौरव की भावना को सशक्त करना है।

लखनऊ में 8 से 10 अप्रैल तक आयोजित होगी छठवीं उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ द्वारा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, गो सेवा आयोग तथा अर्ध शुष्क उष्णकटिबंधीय फसलों के अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान, तेलंगाना के संयुक्त तत्वावधान में 08 से 10 अप्रैल 2026 तक छठवीं उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया जा रहा है। "विकसित कृषि–विकसित भारत 2047 के लिए कृषि का रूपांतरण" विषय पर आधारित इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में किया जाएगा इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शामिल होना प्रस्तावित है, जबकि अध्यक्षता प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही करेंगे। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, परिषद के अध्यक्ष कैप्टन (सेवानिवृत्त) विकास गुप्ता, अर्ध शुष्क उष्णकटिबंधीय फसलों के अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार तथा प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र कुमार शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश सरकार की उत्तर प्रदेश कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना 2025–26 के अंतर्गत चयनित 15 उत्कृष्ट वैज्ञानिकों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन के तकनीकी सत्रों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक डॉ. डी.के. यादव, आयुक्त बागवानी डॉ. प्रभात कुमार शुक्ला तथा अर्ध शुष्क उष्णकटिबंधीय फसलों के अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान के डॉ. गजानन स्वागवकर मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेंगे। तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता डॉ. हिमांशु पाठक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक डॉ. एस.के. सिंह तथा आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह द्वारा की जाएगी।10 अप्रैल को कार्यक्रम के समापन सत्र में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगी। समापन समारोह में राज्यपाल द्वारा उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान अकादमी के वर्ष 2025 के 30 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए भाजपा को हटाना जरूरी : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा साजिश करके लोकतंत्र की पवित्रता को नष्ट कर रही है और लोकतांत्रिक प्रणाली के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान विरोधी है तथा बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा बनाए गए संविधान की भावना का सम्मान नहीं करती है।मंगलवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए की ताकत के सामने भाजपा की एक नहीं चल पाएगी। उन्होंने कहा कि पीडीए की बढ़ती ताकत से भाजपा घबराई हुई है। समाजवादी पार्टी भाजपा को लोकतंत्र की हत्या नहीं करने देगी और हर स्तर पर उसका मुकाबला करेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पीडीए की हिस्सेदारी सुनिश्चित की जाएगी और उसे उसका हक तथा सम्मान दिलाया जाएगा।अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य सामाजिक न्याय की स्थापना करना है, जबकि भाजपा सामाजिक न्याय की विरोधी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है और भ्रष्टाचार के सभी रिकॉर्ड टूट चुके हैं। उनका कहना था कि हर विभाग और हर कार्य में भ्रष्टाचार हो रहा है ।

बीबीएयू के भूविज्ञान विभाग के दो विद्यार्थियों का सीमेंट कंपनी में चयन

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के भूविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विभाग के दो मेधावी विद्यार्थी ऋषि राज झा और शिवा मिश्रा का चयन देश की अग्रणी सीमेंट निर्माण कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट द्वारा किया गया है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, समर्पण और विभाग के उपलब्ध उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है।यह चयन कंपनी द्वारा आयोजित भर्ती प्रक्रिया में विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया। तीन माह की प्रशिक्षण अवधि के दौरान चयनित विद्यार्थियों को प्रति माह 20 हजार रुपये का वजीफा प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि पूर्ण होने के बाद उन्हें 12 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा, जिसमें वार्षिक 5.5 लाख रुपये का वेतन पैकेज दिया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि के दौरान बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उन्हें 6 लाख रुपये वार्षिक वेतन के साथ स्थायी नियुक्ति भी दी जा सकती है, जिसमें यात्रा एवं आवास भत्ता भी शामिल रहेगा।प्रशिक्षण के दौरान चयनित विद्यार्थी कंपनी की विभिन्न परियोजनाओं में भाग लेंगे, जहां उन्हें चूना पत्थर के भंडारों का सर्वेक्षण, भूवैज्ञानिक विश्लेषण, खनिज संसाधनों का मूल्यांकन तथा सीमेंट उद्योग से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे उन्हें औद्योगिक क्षेत्र के वास्तविक कार्य वातावरण को समझने तथा व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जो उनके भविष्य के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। यह उपलब्धि न केवल चयनित विद्यार्थियों के लिए बल्कि भूविज्ञान विभाग और विश्वविद्यालय के लिए भी गर्व और प्रेरणा का विषय मानी जा रही है।

संगठन की मांग पर राजकीय जिला पुस्तकालय मे आरक्षित हुआ पाठक कक्ष

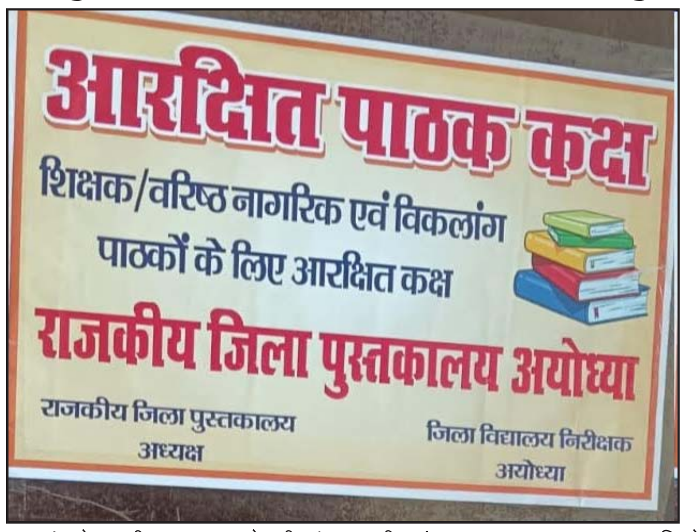

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। राजकीय जिला पुस्तकालय में पंजीकृत शिक्षक वरिष्ठ नागरिक एवं विकलांग पाठक साथियों के अध्ययन है माध्यमिक शिक्षक संघ कक्षध बैठने की सीट आवंटित करने की मांग लगातार कर रहा था।जिसे राजकीय जिला पुस्तकालय अध्यक्ष अवनीश कुमार पांडे ने पूरी की राजकीय जिला पुस्तकालय जो आधुनिक तकनीक से भी आच्छादित है।विभिन्न पुस्तकों का संग्रह है इसके लाभ के लिए अधिकांश माध्यमिक शिक्षक वरिष्ठ नागरिक एवं विकलांग साथी दोपहर के बाद आते थे तो उन्हें बैठकर पढ़ने की व्यवस्था नहीं मिलती थी।जिस बात को लेकर संयुक्त शिक्षा निदेशक अयोध्या मंडल अयोध्या जिला विद्यालय निरीक्षक अयोध्या पुस्तकालय अध्यक्ष अयोध्या से बार–बार अनुरोध किया गया जिसके फलस्वरूप जिला पुस्तकालय में बाएं तरफ बने कक्ष में लगी सीटों को शिक्षक वरिष्ठ नागरिक एवं विकलांग पाठकों के लिए आरक्षित किया गया जिसके लिए संगठन जिला मंत्री आलोक तिवारी ने मुख्य विकास अधिकारी अयोध्या संयुक्त शिक्षा निदेशक अयोध्या मंडल अयोध्या जिला विद्यालय निरीक्षक तथा पुस्तकालय अध्यक्ष को बधाई दिया एवं आवाहन किया है कि सभी शिक्षक जिला पुस्तकालय के मेंबर बने स्वयं लाभान्वित हुए और छात्र–छात्राओं को भी लाभान्वित करें।

जनपद स्तरीय निपुण सम्मान समारोह का सीडीओ व बीएसए ने संयुक्त रूप से किया शुभारंभ

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।जिले के भवदीय कॉलेज के सभागार में जनपद स्तरीय निपुण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इसका शुभारम्भ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आए मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चन्द्र एवं भवदीय कॉलेज के प्रबंधक अवधेश कुमार वर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ शुरू किया। इस मौके पर निपुण भारत मिशन के अंतर्गत सत्र 2025 26 में जनपद अयोध्या के सभी 12 विकास खण्ड से कुल 356 विद्यालय डीएलएड विद्यार्थियों के द्वारा किए गए स्वतंत्र आकलन के आधार पर निपुण विद्यालय के रूप में चयनित हुए जिसमें विकासखंड अमानीगंज के 48 विद्यालय, विकासखंड बीकापुर के 34 विद्यालय, विकासखंड हैरिंग्टनगंज के 48 विद्यालय , मसौधा के 24 विद्यालय, मवई के 22 विद्यालय, मया बाजार के 27 विद्यालय, मिल्कीपुर के 26 विद्यालय, नगर क्षेत्र के 07 विद्यालय , पूरा बाजार के 35 विद्यालय , रुदौली के 17 विद्यालय, सोहावल के 41 विद्यालय तथा तारुन के 27 विद्यालय निपुण विद्यालय के रूप में चयनित हुए । इन सभी विद्यालयों का स्वतंत्र रूप से आकलन डायट अयोध्या के डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह ने सभी शिक्षकों से आह्वान किया कि वह बच्चों के नामांकन एवं उनकी नियमित उपस्थिति हेतु सभी अभिभावकों को प्रेरित करें और नियमित पीटीएम और अभिभावकों की बैठक विद्यालय में पूरे उत्साह के साथ करें साथ ही मुख्य विकास अधिकारी ने शिक्षकों से यह भी जानने का प्रयास किया कि निपुण विद्यालय बनने में और छात्रों को दक्ष बनाने में किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस मौके पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चन्द्र ने सभी शिक्षकों से आह्वान किया कि वह नए सत्र में शत प्रतिशत नामांकन करते हुए पाठ्यक्रम के मासिक विभाजन के आधार पर शिक्षण कार्य किया जाना सुनिश्चित करें।जनपद के एसआरजी डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी ने बताया कि यह सत्र निपुण भारत अभियान का एक क्रियान्वयन का फेज है जिसमें हमें अपने सभी विद्यालयों में परिवर्तित कक्षा कक्ष प्रिंट सामग्री और शिक्षक संदर्शिकाओं का उपयोग करते हुए सभी विद्यालयों को निपुण बनाने हेतु संपूर्ण प्रयास करें । मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चन्द्र द्वारा निपुण विद्यालय के रूप में चयनित हुए सभी 356 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को निपुण विद्यालय प्रमाण पत्र प्रदान किया गया । इस कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी बीकापुर अमित श्रीवास्तव , खंड शिक्षा अधिकारी मसौधा शैलेंद्र कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी मया राजेश कुमार सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी तारुन यशवंत कुमार , खण्ड शिक्षा अधिकारी नगर क्षेत्र तारकेश्वर पाण्डेय खण्ड शिक्षा अधिकारी रुदौली रमाकांत राम खण्ड शिक्षा अधिकारी मिल्कीपुर अमित त्रिपाठी एवं जिला समन्वयक प्रशिक्षण आदर्श सिंह और जनपद के एसआरजी अमित कुमार मिश्रा, एसआरजी मनीष रस्तोगी तथा सभी विकासखंड के सभी एकेडमिक रिसोर्स पर्सन उपस्थित रहे । निपुण सम्मान समारोह का कुशल संचालन एसआरजी डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी द्वारा किया गया । भवदीय कॉलेज के प्रबंधक अवधेश कुमार वर्मा जी द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चन्द्र जी और सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चन्द्र द्वारा निपुण सम्मान समारोह का समापन सभी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

निर्माण कार्य में विलंब करने पर कार्यदाई संस्था से वसूला जाएगा जुर्माना – नगर आयुक्त

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। नगर निगम से जुड़े निर्माण कार्य में विलंब करने वाली कार्यदाई संस्थाओं पर नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने कड़ी नाराजगी जताई है।उन्होंने निर्माण कार्य में एक माह से अधिक विलंब करने वाली एजेंसी से जुर्माना वसूलने की प्रक्रिया शुरू करने का स्पष्ट निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन के हिसाब से कार्यदाई संस्थाओं से जुर्माना वसूला जाए।यदि इसके बाद भी निर्माण कार्य पूरा नहीं होता है तो संस्था को काली सूची में डाल दिया जाए। वह नगर निगम कार्यालय में विकास योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे।समीक्षा बैठक की अध्यक्षता महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने की।इस दौरान अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ समन शुल्क की वसूली को अपर्याप्त बताते हुए प्रवर्तन दल के प्रभारी को पत्र लिखने का निर्देश नगर आयुक्त ने दिया। बीते वर्ष प्रवर्तन दल ने 2.20 लाख रुपये समन शुल्क की वसूली की गई है, जबकि प्रतिबंधित पॉलिथीन का प्रयोग एवं बिक्री करने वालों के खिलाफ चलाए गए अभियानमें 11 लाख रुपये कर के रूप में प्राप्त हुए हैं।समीक्षा बैठक के दौरान आर्य मंदिर चौक के पास से हटाई गई अवैध प्लाटिंग पर पार्किंग बनवाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान महापौर ने भवन, सड़क, नाली एवं अन्य संपत्तियों के अनुरक्षण पर खर्च की जाने वाली धनराशि को बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने पार्कों के रखरखाव के लिए कर्मचारियों की तैनाती करने तथा खुले बाजार को विकसित करने के लिए रेलिंग लगाने, जल निकासी एवं सफाई की सुविधा सुनिश्चित कराने, कूड़ादान रखवाने के साथ ही परिसंपत्तियों के रखरखाव पर आवश्यक धनराशि खर्च करने का निर्देश दिया। बैठक में दुकानों का किराया रिवाइज करने, नगर निगम की संपत्तियों का चिह्नीकरण करने के लिए अभियान चलाने एवं संपत्ति रजिस्टर को अपडेट करने की आवश्यकता जताई गई।समीक्षा बैठक में अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, भारत भार्गव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आरएम शुक्ल, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी गजेंद्र कुमार, सहायक नगर आयुक्त गुरु प्रसाद पांडेय, सहायक अभियंता निर्माण राजपति यादव एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

रेलवे ट्रैक पर महिला का शव मिलने से सनसनी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। जिले के थाना महाराजगंज क्षेत्र के अलना भारी रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार को एक महिला का शव रेलवे ट्रैक पर मिली।शव के मिलने से आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, जिस पर उसकी पहचान श्रीमती पार्वती पाल (48) पत्नी कृष्ण कुमार पाल, निवासी तार गोहान थाना महाराजगंज जनपद अयोध्या के रूप में हुई।पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।इस संबंध मे मृतका के पति कृष्ण कुमार पाल ने बताया कि पार्वती पाल गुरुवार सुबह घर से निकली थीं,लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटीं।परिजन उनकी तलाश कर ही रहे थे कि इसी बीच रेलवे ट्रैक पर किसी महिला के शव मिलने की सूचना मिली।मौके पर पहुंचकर उन्होंने शव की पहचान अपनी पत्नी के रूप में की है।

रंजिश में युवक की हत्या का मामले मे दो सगे भाइयों समेत चार को उम्रकैद

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। एडीजे प्रथम की अदालत ने रंजिश के चलते कुल्हाड़ी, फावड़ा और बेलचक से युवक की हत्या के मामले में कोर्ट ने दो सगे भाइयों और उनकी पत्नियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई है।अदालत ने प्रत्येक दोषियों पर 25–25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।बताते चले अपर जिला जज प्रथम सुरेंद्र मोहन सहाय की अदालत ने बुधवार को यह फैसला सुनाया।अदालत ने जुर्माने की राशि में से 50 हजार रुपये मृतक की मां कमलेश को देने का आदेश दिया है।अभियोजन पक्ष के अनुसार, 7 जून 2022 को बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के गुंधौर गांव निवासी अर्जुन यादव पर गांव के ही मोहन यादव, उसकी पत्नी सुषमा, भोला, उसकी पत्नी शोभा देवी और वंदना ने मिलकर हमला कर दिया था।कुल्हाड़ी, फावड़ा और बेलचक से किए गए हमले में अर्जुन गंभीर रूप से घायल हो गया था।इलाज के दौरान ट्रॉमा सेंटर लखनऊ में उसकी मौत हो गई थी।मामले की विवेचना के दौरान तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक सुमित श्रीवास्तव ने भोला, शोभा और वंदना को क्लीन चिट देते हुए केवल मोहन और सुषमा के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था।जांच के इस रुख पर वादी पक्ष ने सवाल उठाए और कोर्ट में अर्जी दाखिल की।सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि विवेचना में घटनाक्रम से जुड़े सभी पहलुओं का समुचित परीक्षण नहीं किया गया था और कुछ अहम तथ्यों की अनदेखी हुई। इसी के चलते कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा और भोला, शोभा व वंदना को भी तलब किया गया। न्यायालय के इस कदम से प्रारंभिक जांच की कमियां उजागर हो गईं और मामले का दायरा विस्तृत हुआ।सुनवाई के दौरान वंदना को किशोर अपचारी घोषित किया गया, जिसका मामला विशेष न्यायालय में विचाराधीन है।शेष चार आरोपियों को दोषी करार देते हुए अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई।फैसला सुनते ही कोर्ट परिसर में भावुक माहौल बन गया।दोषी महिलाओं के परिजन रोने–बिलखने लगे।पुलिस ने सभी दोषियों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया।

अब मेडिसिन वार्ड में जूनियर डॉक्टरों ने तीमारदार को पीटा, उपचार बीच में छोड़ मरीज को घर ले गए

गोरखपुर, (संवाददाता)। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन वार्ड नंबर 11 में अब जांच के लिए ब्लड सैंपल को लेकर विवाद हो गया। सिद्धार्थनगर जिले के रहने वाले मरीज के तीमारदारों ने मंगलवार की दोपहर में जूनियर डॉक्टरों पर मारपीट और अभद्र भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। विवाद के बाद परिजन उपचार बीच में छोड़कर मरीज को लेकर घर चले गए। जानकारी के अनुसार, सिद्धार्थनगर जिले के उसका बाजार थाना क्षेत्र के मधवापुर गांव के रहने वाले प्रदीप ने अपने 73 वर्षीय पिता शिवप्रसाद को सोमवार की देर रात सांस फूलने की शिकायत पर मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया था। मंगलवार की दोपहर में जूनियर डॉक्टरों ने जांच के लिए ब्लड का सैंपल लिया। प्रदीप का आरोप है कि वह यूजर चार्ज काउंटर पर शुल्क जमा करने के बाद सेंट्रल पैथोलॉजी में सैंपल देकर लौटे ही थे कि डॉक्टरों ने दोबारा ब्लड सैंपल लेकर दूसरी जांच कराने के लिए कहा। प्रदीप का कहना है कि इस पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि, जांच के लिए लंबी लाइन लग रही है, ऐसे में दोनों सैंपल एक साथ ले लिए गए होते तो बेहतर होता। इसी बात को लेकर प्रदीप और जूनियर डॉक्टरों के बीच कहासुनी हो गई। प्रदीप का आरोप है कि डॉक्टरों ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया और विरोध करने पर उनके साथ मौजूद भाई मंदीप के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान वार्ड में कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। विवाद से आहत परिजन बाद में मरीज को लेकर अस्पताल से घर लौट गए। इस संबंध में गुलरिहा थाना प्रभारी इत्यानंद पांडेय ने बताया कि मामले में अभी तक किसी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। अक्तूबर 2024 में महराजगंज जिले से अपनी दादी का इलाज कराने आए युवक को 15 से 20 की संख्या में जूनियर डॉक्टरों ने कमरे में बंद कर बुरी तरह पीटा था। यह भी आरोप था कि समझौता पेपर पर जबरन हस्ताक्षर करा लिए गए। जानकारी होने पर एक सीनियर डॉक्टर ने युवक को आरोपियों की पहचान के लिए बुलाया मगर जूनियर डॉक्टर फोन बंद कर गायब रहे थे।

शहीद आजम भगत सिंह की प्रतिमा मुख्य प्रवेश द्वार पर लगाने को लेकर नगर निगम के मेयर व अधिकारियों से की मांग

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। गुरुवार को नगर निगम प्रांगण में शहीद भगत सिंह पार्क को नव निर्मित पार्क में भगतसिंह की प्रतिमा के स्थल निर्धारण करने के संबंध में विभिन्न राजनीतिक सामाजिक संगठनों ने निरीक्षण किया।निरीक्षण करने वाले कर्ताओ ने शहीद आजम भगतसिंह की प्रतिमा के लिए प्रमुख प्रवेश मार्ग के सामने लगाए जाने का निर्धारण किया।यह सुनिश्चित करने का आश्वासन मांगा के वैचारिक मतभेदों वाली किसी भी प्रतिमा को भगत सिंह के साथ न लगाया जाय जिससे उपस्थित मेयर,नगर निगम के अधिकारी और कार्यदाई संस्था अधिकारियों ने सहमत जताई।उक्त अधिकारियों ने मौजूदा प्रतिमा को सुरक्षित और सम्मान के साथ रखने का आश्वासन दिया।इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि नगर निगम प्रांगण में शहीद भगतसिंह पार्क में स्थिति शहीद भगतसिंह की प्रतिमा को वहां से नगर निगम द्वारा हटाने के शंकाओं पर शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट के चेयर सत्यभान सिंह जनवादी, शहीद शोध संस्थान के प्रबंधक निदेशक सूर्यकांत पांडेय,मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कॉम अशोक यादव,माले के जिला प्रभारी अतीक अहमद,ट्रस्ट के रामजी तिवारी,महावीर पाल पहुंचकर भगतसिंह पार्क और प्रतिमा का निरीक्षण किया साथ में मेयर गिरीशचंद्र तिवारी,अपर आयुक्त और नगर निगम के अधिकारियों के साथ किया।उसके नगर निगम मेयर और अधिकारियों के साथ वार्ता किया गया।वार्ता में वक्ताओं ने कहा कि पार्क की खोदाई करके संस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बना रहे है जिससे भगतसिंह की प्रतिमा वहां से स्थानांतरित कर रहे है।इसलिए हम लोगों ने अपने पुरोधा की प्रतिमा पार्क के ठीक सामने फ्रंट पर लगाया जाय।इस बात पर नगर निगम प्रशासन मेयर सहित सभी लोगों ने सहमति जताया।

समीक्षा अधिकारी पद पर चयनित प्रिया यादव को किया पूर्व मंत्री पवन पांडे ने सम्मानित

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने पूर्व प्रमुख राम अचल यादव की बेटी प्रिया यादव जी के समीक्षा अधिकारी पद पर चयनित होने के अवसर पर उनके आवास पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे पवन निवर्तमान महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव,महासचिव हामिद जाफर मीसम ने पूर्व प्रमुख रामअचल यादव कि बेटी प्रिया यादव के समीक्षा अधिकारी पर चयनित होने के अवसर पर उनके आवास पहुंचकर उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।इस उपलब्धि पर सभी नेताओं पदाधिकारी ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामना देते हुए उनके उज्जवल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की कामना की प्रवक्ता राकेश

यादव एडवोकेट ने बताया शुभकामना देने वालों में नि0 महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, महासचिव हामिद जाफर मीसम, उपाध्यक्ष चौधरी श्रीचंद यादव, संजय सिंह, प्रवक्ता राकेश यादव, जगन्नाथ यादव, जय सिंह राणा, अंसार अहमद, राजनाथ यादव,राम नेवल पाल, शंकरजीत यादव, सैफी अब्बास, शाहबाज लकी, हर्षित पाठक, अनस खान, केशव राम कोरी, आदि लोग मौजूद रहे।

किसान चौक फायरिंग का मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर मुठभेड़ में घायल

जिले में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कप्तानगंज पुलिस, कसया पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। हसनगंज–भिवरा रोड पर हुई पुलिस मुठभेड़ में एक शातिर हिस्ट्रीशीटर पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा। एसपी केशव कुमार के निर्देशन में पुलिस टीमें क्षेत्र में संदिग्धों की निगरानी कर रही थीं। इसी दौरान हसनगंज–भिवरा मार्ग पर एक बाइक पर सवार दो संदिग्धों को रुकने का इशारा

किया गया। पुलिस को देख बदमाशों ने बाइक तेज कर दी और घेराबंदी होते देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह गिर पड़ा। पकड़े गए बदमाश की पहचान आदित्य साहनी (निवासी बभनौली, थाना कप्तानगंज) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आदित्य थाने का सूचीबद्ध हिस्ट्रीशीटर है और उस पर पूर्व में गुंडा एक्ट समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। वह हाल ही में किसान चौक के पास हुई फायरिंग की दो वारदातों में मुख्य अभियुक्त था और पुलिस को उसकी तलाश थी। पुलिस ने उसके कब्जे से एक 32 बोर की पिस्टल,एक खोखा और दो जिंदा कारतूस,एक बाइक व 1000 रुपये नकद बरामद किए हैं। घायल बदमाश को तत्काल इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। पुलिस फरार दूसरे अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

गोशाईगंज निवासी अनुभव जायसवाल का आईबीपीएस एवं आरआरबी मे चयनित होकर किया जिले का नाम रोशन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। इंस्टिट्यूटऑफ बैंकिंग पर्सनेल सिलेक्शन 2025–26 की परीक्षा उत्तीर्ण कर अनुभव जायसवाल ने गोशाईगंज का नाम रोशन किया है।!मालूम हो कि आईबीपीएस ही सारे बैंक की परीक्षा कराता है।परीक्षा उत्तीर्ण करने पर अनुभव का पहला चयन बैंक ऑफ इंडिया(ठव्) के गोरखपुर जोन मे जहाँ हुआ है।वही आईबीपीएस की ही दूसरी परीक्षा पास करने पर उसका दूसरा चयन उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक मे हुआ है!अनुभव के इस उपलब्धि पर गोसाईगंज नगर पंचायत की सभासद आरती जयसवाल,अनंतलाल सोनी,मंत्री प्रकाश जायसवाल,अशोक मोदनवाल,राम सागर वर्मा सहित क्षेत्र वासियों ने बधाई दिया।

मिशन शक्तिकार्यक्रम में एसएसपी ने महिला पुलिस कर्मियों को किया सम्मानित

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। गुरुवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित मिशन शक्ति फेज– 5 द्वितीय चरण के अंतर्गत नारी शक्ति को नमन, सम्मान और स्वावलंबन विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में प्रेरणादायी महिलाओं, महिला समाजसेवियों एवं महिला पुलिस कर्मियों को मुख्य अतिथि के रूप में आए एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर ने सम्मानित किया गया।कार्यक्रम मे डॉ. गौरव ग्रोवर तथा विशिष्ट अतिथि एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी व एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी मौजूद रहे।इस दौरान महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया।इस मौके पर अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर संज्ञान में लेकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी तथा अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।मुख्य अतिथि ने कहा कि महिलाएं थाने आने में संकोच न करें, इसके लिए महिला अधिकारियों द्वारा उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।साथ ही साथ अपराध की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सतत निगरानी पर भी जोर दिया गया।उन्होंने सभी विभागों के समन्वय से कार्य करने की आवश्यकता बताई,जिससे महिलाओं को न्याय और सम्मान मिल सके।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है और उनकी समस्याओं को सुनने के लिए महिला अधिकारी तत्पर हैं। वहीं एसपी ग्रामीण बलवंत सिंह चौधरी ने महिलाओं से समाज में सजग रहने और आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।वही आईपीएस शुभम जैन ने भी समाज मे महिलाओ द्वारा किये जा कार्यो की सराहना किया।कार्यक्रम का संचालन सीओ सिटी श्रेयस त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर यूपीएससी में चयनित अभ्यर्थियों को भी सम्मानित किया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।